बालमन कुछ कहता है

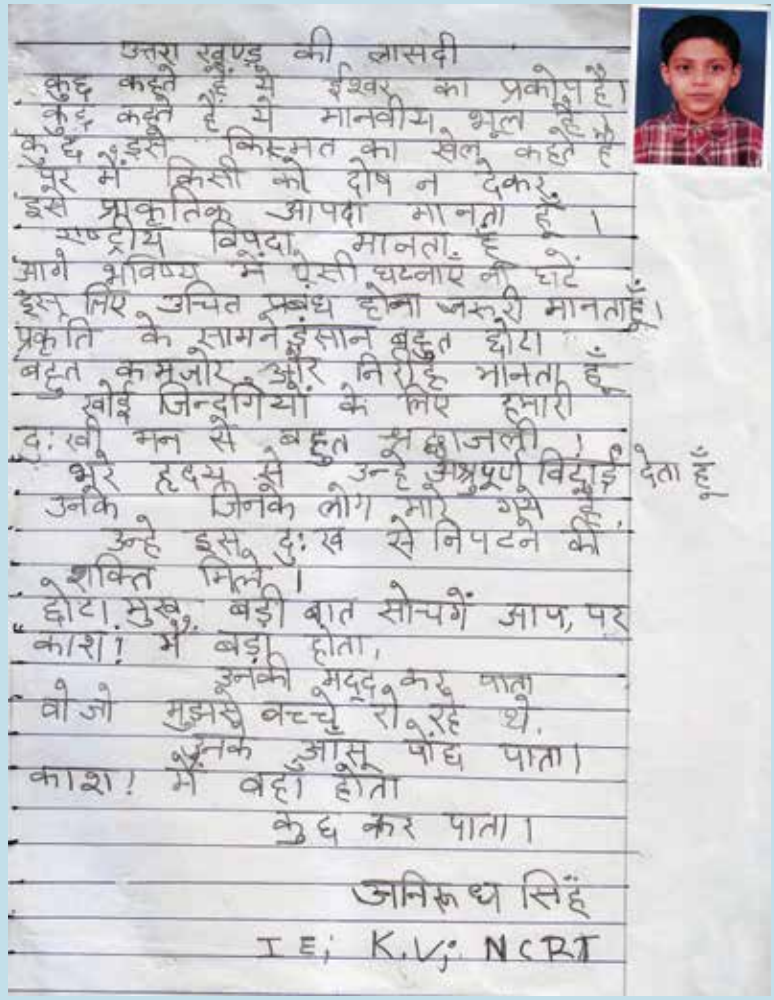

उत्तराखण्ड की त्रासदी

कुछ कहते हैं ये ईश्वर का प्रकोप है।
कुछ कहते हैं ये मानवीय भूल है
कुछ इसे किस्मत का खेल कहते हैं
पर मैं किसी को दोष न देकर,
इसे प्राकृतिक आपदा मानता हूँ।
राष्ट्रीय विपदा मानता हूँ
आगे भविष्य में ऐसी घटनाएँ न घटें
इस लिए उचित प्रबंध होना जरूरी मानता हूँ।
प्रकृति के सामने इंसान बहुत छोटा
बहुत कमजोर और निरीह मानता हूँ
खोई जिन्दगियों के लिए हमारी
दुःखी मन से बहुत श्रद्धांजली।
भरे हृदय से उन्हें अश्रुपूर्ण विदाई देता हूँ
उनके जिनके लोग मारे गये हैं,
उन्हें इस दुःख से निपटने की
शक्ति मिले।
छोटा मुख, बड़ी बात सोचेंगे आप, पर
काश! मैं बड़ा होता,
उनकी मदद कर पाता
वो जो मुझसे बच्चे रो रहे थे,
उनके आँसू पोंछ पाता।
काश! मैं वहाँ होता
कुछ कर पाता।

अनिरूद्ध सिंह
I E; K.V; NCRT